



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 561] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 31, 1982/पौष 10, 1904
No. 561] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 31, 1982/PAUSA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1982

कां. प्रां. 866(अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 82—
भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कां. प्रां. 678(अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 72 तारीख 24 अक्टूबर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, उक्त आदेश में निविष्ट प्राधिकृत नियंत्रक ने मैसर्स कार्टर पुलर एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कां. प्रां. 620 (अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 77, तारीख 19 अगस्त, 1977, सं. कां. प्रां. 590 (अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 79, तारीख 23 अक्टूबर, 1979, सं. कां. प्रां. 855 (अ), तारीख 23 अक्टूबर 1980, सं. कां. प्रां. 315 (अ), तारीख 22 अप्रैल, 1981, सं. कां. प्रां. 765

1135 GI/82

(अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 81, तारीख 22 अक्टूबर, 1981, सं. कां. प्रां. 279 (अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 82, तारीख 23 अप्रैल 1982 और कां. प्रां. 466 (अ)/18-क-आई. डी. आर. एं. 82 तारीख 30 जून, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 31 दिसम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 31 मार्च, 1983 तक की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी रखें,

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1983 तक की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[फाइल सं. 4(12)/79-सी.यू.एस.]

ए.पी. सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st December, 1982

S.O. 866(E)/18A/IDRA/82.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 678(E)/18A/IDRA/72, dated the 24th October, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, was taken over by the Authorised Controller referred to in the said order for a period of five years;

And whereas, by the orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 620(E)/18A/IDRA/77, dated the 19th August, 1977, No. S.O. 590(E)/18A/IDRA/79, dated the 23rd October, 1979, No. S.O. 855(E) dated the 23rd October, 1980, No. S.O. 315(E), dated the 22nd April,

1981, No. S.O. 765(F)/18A/IDRA/81, dated the 22nd October, 1981, No. SO 279(E)/18A/IDRA/82, dated the 23rd April, 1982 and No. SO 466(E)/18A/IDRA/82, dated the 30th June, 1982, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 31st December, 1982;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised controller should continue for further period upto and inclusive of 31st March, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st March, 1983.

[F. No. 4(12)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.